

२४/४/१९

व्युत्पन्न है करीबन उपस्थित। प्रायः पत्र धारा २१२ प्रक
न. पर बरक अखिलक उभयपक्षां उनी गरी अखिलक
वादीगण ने कथित किया कि स्वयं निवेद्याल जय की जय
पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजात का अवलोकन किया गया।
वद उपलोकन पाया कि ग्राम खरवा की जमावकी सम्वत्
२०६९-२०७२ में अर्थात् एव अर्थात् की सम्वत् (मोहनलाल
की) अर्थात् है। पत्रावली पर समी तथ्यों पर मनन करने
पर आदेश दिने जाते है कि ग्राम खरवा पर नगर एलका
खरवा तहसील शस्य के खसरा नम्बर १९८३ खसरा ०५-१६-१०
व २००३ खसरा ०६-१८-१० विद्या भूमियों की मूल काद के
अन्तिम निर्णय पारित होने की तिथी तक समयपक्षकारान
के विवादित आराजीयात वाकत राजस्व रेकार्ड एव भौत पर
आज की यथास्थिति बनाये रखेज। तथा छुट्टी के
काले काश्त में करवल आदाजी नही करके और न करे एव
ए-ना-नारण आदि नही करे। आदेश अणु दिनाउ के खुले
न्यायालय में सुनाया गया। पत्रावली फॉर्मल मुजार लेखर
नम्बर व क्रम ही तथा मूल काद के साथ नही है।

(मोहनलाल खटनावलिया)
उपखण्ड अधिकारी
मसूदा (अजमेर) राज.।

